



समय इस विषयों का केंद्र म रखा जाएगा। मुख्यमंत्री शिक्षता प्रोत्साहन योजना के माध्यम से स्नातक व डिग्रीमा उत्तीर्ण युवाओं को औद्योगिक संस्थानों में अप्रेंटिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पिछले वित्तीय वर्ष में 53 हजार से अधिक युवा इस योजना से जुड़े और इस वर्ष अब तक 11 हजार अभ्यर्थियों ने पंजीवन कराया है, जिसमें 2800 युवा अप्रेंटिस कर रहे हैं। औद्योगिक इकाइयों से संवाद समन्वय कर अधिकाधिक युवाओं को लाभान्वित कराएं। शिक्षाक्षुओं को समय से स्टार्टअप का भुगतान होना चाहिए। आजमगढ़ स्थित महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय में महान साहित्यकार, विचारक राहुल सांकृत्यायन के नाम पर शोधपीठ की स्थापना की जाए। यह पीठ राहुल सांकृत्यायन जा के व्यक्तित्व-कृतित्व पर शोध-अध्ययन के लिए युवाओं के लिए उच्चतम मंच प्रदान करेगा। एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट एबीसी प्लेटफॉर्म पर सभी छात्रों का पंजीकरण अनिवार्य होना चाहिए। छात्र क्रेडिट हस्तांतरण इसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रबंधित किये जाएं। इसके बारे में छात्र-छात्राओं को जागरूक करें। मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एजेंट प्रणाली को लागू किया जाए। कृषि शिक्षा, शोध एवं अनुसंधान में अपार अवसर है। करियर को दृष्टि से भी यह सेक्टर बड़ी संभालाने पर समेटे हुए है। हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में युवाओं का आकर्षण इस ओर देखने को मिला है। पाठ्यक्रम बढ़ें हैं, छत्र बढ़ें हैं। आज सभी 04 कृषि विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित हो रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंगोहट
गांव निवासी मनीषा 7 वर्ष पुत्र
रामकिशोर शनिवार कस्बे के सरकारी
अस्पताल में इलाज हेतु पुत्री के
लेकर आए जहाँ चिकित्सकों ने
देखते ही मृत घोषित कर दिया।पिता
रामकिशोर ने बताया की सुबह से
टट्टी उल्टी हो रही थी जिसको गांव के
चिकित्सक दिनेश गुप्ता से इलाज
करवाया गया था लेकिन स्वास्थ्य
लाभ न होने पर आन्त.पानकन कस्बे
की सरकारी अस्पताल लेकर आए
जहाँ चिकित्सकों ने देखते ही मृत
घोषित कर दिया मौत की खबर सुनते
ही परिजन रहाड़ मारने लगे।

